भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

18.12.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 3756 का उत्तर

राजस्थान में रेल परियोजनाएं

3756. श्रीमती मंजू शर्मा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राजस्थान में चल रही विभिन्न रेल परियोजनाओं की क्या स्थिति है;

(ख) राज्य में कितनी नई रेल लाइनें निर्मित की गई हैं/निर्माणाधीन हैं;

(ग) क्या अजमेर-चंदेरिया खंड के दोहरीकरण और मारवाड़ में बाईपास लाइन उपलब्ध कराने की कोई परियोजना है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) उक्त खंड पर दोहरीकरण और बाईपास उपलब्ध कराने के क्या लाभ हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): रेल परियोजनाओं के सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन क्षेत्रीय रेल-वार किए जाते हैं न कि राज्य-वार क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्यों की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। रेल परियोजनाओं को लाभप्रदता, यातायात अनुमानों, अंतिम छोर संपर्कता, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों के संवर्धन, राज्य सरकारों, केन्द्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जन प्रतिनिधियों द्वारा की गई मांगों, रेलवे की अपनी परिचालनिक

आवश्यकताओं, सामाजिक-आर्थिक महत्व, आदि के आधार पर स्वीकृत किया जाता है, जो चालू परियोजनाओं के थ्रोफॉरवर्ड और निधियों की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

राजस्थान राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली रेल अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के उत्तर पश्चिम रेलवे, उत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे जोनों के अंतर्गत आती हैं। लागत, व्यय और परिव्यय सहित रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया है।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, राजस्थान राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली 51,814 करोड़ रु. की लागत की 4,191 कि.मी. कुल लंबाई वाली 32 रेल परियोजनाएं (15 नई लाइनें, 05 आमान परिवर्तन और 12 दोहरीकरण) योजना और कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से 1,183 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक 14,785 करोड़ रु. का व्यय किया जा चुका है। कार्य की संक्षेप में स्थिति निम्नानुसार है:

योजना शीर्ष	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2024 तक व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	15	1230	134	3593
आमान परिवर्तन	5	1252	759	5398
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	12	1709	290	5794
कुल	32	4,191	1,183	14,785

राजस्थान राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	682 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2024-25	9,959 करोड़ रु. (लगभग 15 गुना)

वर्ष 2009-14 और 2014-24 के दौरान, राजस्थान राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथों को कमीशन करने/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	798 कि.मी.	159.6 कि.मी. प्रति वर्ष
2014-24	3,742 कि.मी.	374.2 कि.मी. प्रति वर्ष (2 गुना से अधिक)

अजमेर और चन्देरिया खंड (178.28 किलोमीटर) के बीच दोहरीकरण का कार्य 1634.79 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृत किया गया है। इस परियोजना को विशेष रेल परियोजना घोषित किया गया है। भूमि अधिग्रहण का कार्य शुरू किया जा चुका है। मौजूदा एकल लाइन खंड के दोहरीकरण के परिणामस्वरुप क्षमता संबंधी बाधाएं दूर होंगी, रुकौनी कम होंगी, भावी यातायात वृद्धि से निपटने के लिए समय पर क्षमता संवर्धन होगा और क्षेत्र का समग्र विकास होगा।

मारवाड़ में बाईपास लाइन (3.9 किमी) का निर्माण कार्य 71.21 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृत किया गया है और इसे विशेष रेल परियोजना के रूप में घोषित किया गया है। भूमि अधिग्रहण का कार्य शुरू हो चुका है। यह बाईपास लाइन क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में प्रमुख योगदान देगी, क्षमता बढ़ाएगी, अधिक माल और यात्री यातायात की ढुलाई में सक्षम बनाएगी तथा बेहतर संचालन में लचीलापन उपलब्ध कराएगी।

*****